प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

(2017-2018)

हिन्दी अ

कक्षा दसवीं

निर्धारित समय 3 घंटे अधिकतम अंकः80

सामान्य निर्देश

- इस प्रश्न पत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।
- चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड – 'क' **अंक-15**

अपठित अंश

1	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढिए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए- सुबुद्ध वक्ता अपार जनसमूह का मन मोह लेता है, मित्रों के बीच सम्मान और प्रेम का केंद्र - बिंदु बन जाता है। बोलने का विवेक, बोलने की कला और पटुता व्यक्ति की शोभा है, उसका आकर्षण है। जो लोग अपनी बात को राई का पहाड़ बनाकर उपस्थित करते हैं, वे एक ओर जहाँ सुनने वाले के धैर्य की परीक्षा लिया करते हैं, वहीं अपना और दूसरे का समय भी अकारण नष्ट किया करते हैं। विषय से हटकर बोलने वालों से, अपनी बात को अकारण खींचते चले जाने वालों से तथा ऐसे मुहावरों और कहावतों का प्रयोग करने वालों से जो उस प्रसंग में ठीक ही न बैठ रहे हों, लोग ऊब जाते है। वाणी का अनुशासन, वाणी का संयम और संतुलन तथा वाणी की मिठास ऐसी शक्ति है जो हर कठिन स्थिति में हमारे अनुकूल ही रहती है, जो मरने के पश्चात भी लोगों की स्मृतियों में हमें अमर बनाए रहती है। हाँ, बहुत कम बोलना या सदैव चुप लगाकर बैठे रहना भी बुरा है। यह हमारी प्रतिभा और तेज को कुंद कर देता है। अतएव कम बोलो, सार्थक और हितकर बोलो। यही वाणी का तप है।	8
(i)	व्यक्ति की शोभा और आकर्षण किसे बताया गया है?	2
(ii)	कैसे व्यक्तियों से लोग ऊब जाते है?	2
(iii)	वाणी का तप किसे कहा गया है?	2
(iv)	बहुत कम बोलना भी अच्छा क्यों नहीं है?	1

(v)	'राई का पहाड़ बनाना' मुहावरे का अर्थ लिखिए।	1
2	निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः- क्या रोकेंगे प्रलय मेध ये, क्या विद्युत-घन के नर्तन, मुझे न साथी रोक सकेंगे, सागर के गर्जन-तर्जन। मैं अविराम पथिक अलबेला रूके न मेरे कभी चरण, शूलों के बदले फूलों का किया न मैने मित्र चयन। मैं विपदाओं में मुसकाता नव आशा के दीप लिए, फिर मुझको क्या रोक सकेंगे जीवन के उत्थान पतन। मैं अटका कब, कब विचलित मैं, सतत डगर मेरी संबल, रोक सकी पगले कब मुझको यह युग की प्राचीर निबल। आंधी हो, ओले वर्षा हों, राह सुपरिचित है मेरी, फिर मुझको क्या डरा सकेंगे ये जग के खंडन-मंडन। मुझे डरा पाए कब अंधड, ज्वालामुखियों के कंपन, मुझे पथिक कब रोक सके हैं अग्निशिखाओं के नर्तन। मैं बढ़ता अविराम निरंतर तन मन में उन्माद लिए, फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये बादल- विद्युत नर्तन।	7
(i)	कविता में आए मेघ, सागर की गर्जना और ज्वालामुखी किनके प्रतीक हैं? कवि ने उनका संयोजन यहाँ क्यों किया है?	2
(ii)	'शूलों के बदले फूलों का किया न मैने चयन' - पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।	2
(iii)	'युग की प्राचीर' से क्या तात्पर्य है?	1
(iv)	उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर कवि के स्वभाव की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।	1
(v)	'उत्थान पतन' शब्द में समास बताइए।	1
	खंड - ख **(व्यावहारिक व्याकरण)**	अंक 15
3	निर्देशानुसार उत्तर लिखिए	1x3=3
क)	अध्यापिका ने छात्रा की प्रशंसा की तथा उसका उत्साह बढाया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)	

ख)	जो ईमानदार है वही सम्मान का सच्चा अधिकारी है। (सरल वाक्य में बदलिए)	
ग)	ज्यों ही घंटी बजी छात्र अंदर चले गए। (रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए)	
4.	निम्नलिखित वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिए	**1x4=4**
क)	हम रात भर कैसे जागेंगे ? (भाव वाच्य में बदलिए)	
ख)	तानसेन को संगीत सम्राट कहते हैं। (कर्तृ वाच्य में बदलिए)	
ग)	उनके द्वारा कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया गया। (कर्तृ वाच्य में बदलिए)	
घ)	माँ ने अवनि को पढ़ाया (कर्म वाच्य में बदलिए)	
5.	रेखांकित पदों का पद परिचय लिखिए	**1x4=4**
क)	आज समाज में <u>विभीषणों</u> की कमी नहीं है।	
ख)	रात मे <u>देर तक</u> बारिश होती रही।	
ग)	हर्षिता निबंध <u>लिख रही है।</u>	
घ)	इस पुस्तक में <u>अनेक</u> चित्र हैं।	
6	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए	**1x4=4**
क)	श्रृंगार रस के भेदों के नाम लिखिए।	
ख)	करूण रस का मूल स्थायी भाव लिखिए।	
ग)	अद्भुत रस का अनुभाव लिखिए।	
घ)	हास्य रस से संबधित काव्य पंक्तियाँ लिखिए।	
	खंड - 'ग' **(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)**	**अंक 30**
7	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः- पढ़ने लिखने में स्वयं कोई बात ऐसी नहीं जिससे अनर्थ हो सके। अनर्थ का बीज उसमें हरगिज नहीं। अनर्थ पुरूषों से भी होते हैं। अपढ़ों और पढ़े लिखों, दोनों से अनर्थ, दुराचार और पापाचार के कारण और ही होते हैं और वे व्यक्ति विशेष का चाल चलन देखकर जाने भी जा सकते हैं। अतएव स्त्रियों को अवश्य पढ़ाना चाहिए।	

	जो लोग यह कहते हैं कि पुराने जमाने में यहाँ स्त्रियाँ न पढ़ती थीं अथवा उन्हे पढ़ने की मुमानियत थी वे या तो इतिहास से अभिज्ञता नहीं रखते या जान बूझकर लोगों को धोखा देते हैं। समाज की दृष्टि में ऐसे लोग दंडनीय हैं क्योंकि स्त्रियों को निरक्षर रखने का उपदेश देना समाज का अपकार और अपराध करना है-समाज की उन्नति में बाधा डालना है।	
क)	कुछ लोग स्त्री शिक्षा के विरोध में क्या तर्क देते हैं और क्यों	**2**
ख)	अनर्थ का मूल स्रोत कहाँ होता है	**2**
ग)	स्त्री शिक्षा के विरोधी दंडनीय क्यों हैं	**1**
8	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिएः-	**2x4=8**
क)	देवदार की छाया और फादर कामिल बुल्के के व्यक्तित्व में क्या समानता थी?	
ख)	शिष्या ने डरते हुए बिस्मिल्ला खाँ से क्या कहा? खाँ साहब ने उसे कैसे समझाया?	
ग)	बालगोबिन भगत की पुत्रवधू की ऐसी कौन सी इच्छा थी जिसे वे पूरा न कर सके? कारण स्पष्ट कीजिए।	
घ)	'एक कहानी यह भी' नामक पाठ की लेखिका मन्नू भंडारी का साहित्य की अच्छी पुस्तकों से परिचय कैसे हुआ?	
9	निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः- बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।। पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूंकि पहारू।। इहाँ कुम्हड़बतिआ कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।। देखि कुठारू सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।। भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिसरोकी सुरमहिसुर हरिजन अरू गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।। बधे पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें।। कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। व्यर्थ धरहु धनु बानकुठारा।।	
क)	रघुकुल की परंपरा की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं?	**2**
ख)	"इहाँ कुम्हड़बतिआ कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।" कहकर लक्ष्मण ने अपनी कौन सी विशेषता बताई है?	**2**
ग)	प्रस्तुत काव्यांश में 'कुम्हडबतिया' शब्द किससे लिए प्रयोग किया गया है?	**1**
10	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए	**2x4=8**
क)	'आत्मकथ्य' कविता में जीवन के किस पक्ष का वर्णन किया गया है	
ख)	'श्री सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ' द्वारा रचित कविता 'उत्साह' के शीर्षक की सार्थकता	

	स्पष्ट कीजिए	
ग)	'कन्यादान' कविता में वस्त्र और आभूषणों को शाब्दिक भ्रम क्यों कहा गया है?	
घ)	मुख्य गायक एवं संगतकार के मध्य जुड़ी कड़ी अगर टूट जाए तो उसके क्या परिणाम हो सकते हैं ? स्पष्ट कीजिए।	
11	'साना-साना हाथ जोडि' पाठ में कहा गया है कि कटाओ पर किसी दुकान का न होना वरदान है। ऐसा क्यों? भारत के अन्य प्राकृतिक स्थानों को वरदान बनाने में नवयुवकों की क्या भूमिका हो सकती है? स्पष्ट कीजिए। अथवा 'माता का अंचल' पाठ में वर्णित तत्कालीन विद्यालयों के अनुशासन से वर्तमान युग के विद्यालयो के अनुशासन की तुलना करते हुए बताइए कि आप किस अनुशासन व्यवस्था को अच्छा मानते हैं और क्यों?	**4**
	खंड घ **(लेखन)**	**अंक 20**
12	निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए	**10**
क)	स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छ्ता की ओर	
	• प्रस्तावना	
	• स्वच्छता का महत्व	
	• वर्तमान समय में स्वच्छता को लेकर भारत की स्थिति	
	• स्वच्छ भारत अभियान का आरंभ एवं लक्ष्य	
	• उपसंहार	
ख)	ऊर्जा की बढ़ती माँग : समस्या और समाधान	
	• प्रस्तावना	
	• ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों का समाप्त होना	
	• नवीन स्रोतों की आवश्यकता	
	• हमारी ऊर्जा पर निर्भरता	
	• उपसंहार	
ग)	सामाजिक संजाल (सोशल नेटवर्किंग) वरदान या अभिशाप	
	• प्रस्तावना	
	• सोशल नेटवर्किंग के लाभ	
	• सोशल नेटवर्किंग से हानियाँ	

	• उचित प्रयोग के लिए सुझाव	
	• उपसंहार	
13	आपकी कक्षा के कुछ छात्र छोटी कक्षाओं के विद्यार्थियों को सताते हैं। इस समस्या के बारे में प्राचार्य जी को पत्र लिखकर बताएँ और कोई उपाय भी सुझाइए अथवा आज दिन-प्रतिदिन सूचना और संचार माध्यम लोगों के बीच लोकप्रिय होते जा रहे हैं। ऐसे में पत्र लेखन पीछे छूटता जा रहा है। पत्र लेखन का महत्व बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए	**5**
14	आपके शहर में विश्व पुस्तक मेले का आयोजन होने जा रहा है। इसके लिए 25 से 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। अथवा आपकी बड़ी बहन ने एक संगीत सिखाने की संस्था खोली है। इसके लिए 25 से 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।	**5**

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

(2017-2018)

हिन्दी अ

कक्षा दसवीं

उत्तर संकेत

खंड – 'क' **अंक-15**

1	**अपठित अंश**	8
(i)	बोलने का विवेक और कला-पटुता को व्यक्ति की शोभा और आकर्षण कहा गया है। इसी के कारण वह मित्रों के बीच सम्मान और प्रेम का केन्द्र-बिंदु बन जाता है।	2
(ii)	विषय से हटकर बोलने वालों से, अपनी बात को अकारण खींचते चले जाने वालों से लोग ऊब जाते है।	2
(iii)	अनुशासित, संयमित, संतुलित, सार्थक और हितकर बोलना वाणी का तप है?	2
(iv)	बहुत कम बोलना हमारी प्रतिभा और तेज को कुंद कर देता है।	1
(v)	'राई का पहाड़ बनाना' - बढ़ा-चढ़ाकर बात करना।	1
2	**अपठित काव्यांश**	7
(i)	भीषण बाधाओं और संकटों के प्रतीक हैं। कवि ने इनका संयोजन संघर्षशीलता और हिम्मत को दिखाने के लिए किया है।	2
(ii)	कवि ने हमेशा संघर्षो और चुनौतियों का कठिन मार्ग चुना। उन्होनें कभी फूलों का अर्थात सुख-सुविधा का मार्ग नहीं चुना।	2
(iii)	'युग की प्राचीर' का आशय है - संसार की बाधाएँ।	1
(iv)	साहस और संघर्षशीलता।	1
(v)	उत्थान-पतन, उत्थान और पतन में द्वंद समास है।	1
	खंड - ख **(व्यावहारिक व्याकरण)**	अंक 15
3	रचना के आधार पर वाक्य भेद	1x3=3
क)	जब अध्यापिका ने छात्रा की प्रशंसा की तो उसका उत्साह बढ़ गया।	
ख)	ईमानदार ही सम्मान का सच्चा अधिकारी है।	
ग)	मिश्र वाक्य।	
4.	वाच्य	**1x4=4**

क)	हमसे रात भर कैसे जागा जाएगा।	
ख)	तानसेन को संगीत सम्राट कहा जाता है।	
ग)	उन्होंने कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया।	
घ)	माँ द्वारा अवनि को पढ़ाया गया।	
5.	पद परिचय	**1x4=4**
क)	<u>विभीषणों</u> - जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।	
ख)	<u>देर तक</u> - कालवाचक क्रिया विशेषण, 'होती रही' क्रिया की विशेषता बता रहा है।	
ग)	<u>लिख रही है -</u> सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य	
घ)	<u>अनेक</u> - अनिशिचत संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'चित्र' विशेष्य का विशेषण	
6	रस	**1x4=4**
क)	श्रृंगार रस के भेद - संयोग श्रृंगार रस, वियोग श्रृंगार रस।	
ख)	करूण रस का स्थायी भाव शोक है।	
ग)	अद्भुत रस का अनुभाव - रोमांच, आँखे फाडकर देखना, काँपना, गदगद होना।	
घ)	हास्य रस हाथी जैसी देह है, गैंडे जैसी खाल। तरबूजे सी खोपड़ी, खरबूजे से गाल।।	
	खंड - 'ग' **(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)**	**अंक 30**
7. क)	स्त्री शिक्षा के विरोध में यह तर्क देते हैं कि पुराने जमाने में यहाँ स्त्रियाँ पढ़ती न थीं और उनके पढ़ने पर रोक थी। ऐसा वे इसलिए कहते है क्योंकि वे इतिहास से अनभिज्ञ हैं।	**2**
ख)	अनर्थ का मूल स्रोत किसी व्यक्ति के चरित्र में होता है। कुसंस्कार, कुसंगति, कुत्सित विचार उसे अनर्थ करने के लिए प्रेरित करते हैं।	**2**
ग)	ऐसे लोग स्त्रियों को निरक्षर रखकर समाज का अपकार करते हैं तथा सामाजिक उन्नति में बाधा ड़ालते हैं।	**1**
8 क)	देवदार की छाया शीतल और मन को शांत करने वाली होती है। फादर लेखक और उसके साथियों के साथ हँसी मजाक में निर्लिप्त शामिल रहते, गोष्ठियों में गंभीर बहस करते तथा उनकी रचनाओं पर बेबाक राय देते। घरेलू उत्सवों और संस्कार में बड़े भाई और पुरोहित जैसे खडे होकर आशीषों से भर देते। इसी कारण लेखक को फादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी लगती थी।	**2x4=8**

ख)	शिष्या ने बिस्मिल्ला खाँ को फटी लुंगी पहने हुए देखकर डरते हुए कहा कि आपकी इतनी प्रतिष्ठा है, अब तो भारत रत्न भी मिल चुका है और आप फटी लुंगी पहने रहते हैं। शिष्या के ऐसा कहने पर उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ साहब ने उसे समझाते हुए कहा कि ठीक है आगे से नहीं पहनेंगे, किंतु बनाव सिंगार में लगे रहते तो शहनाई कैसे होती।	
ग)	बालगोबिन भगत की पुत्रवधू की इच्छा थी कि वह अपने पति की मृत्यु के बाद बालगोबिन भगत के पास ही रहे क्योंकि वह बुढ़ापे में अपने ससुर की सेवा करना चाहती थी, किंतु भगत अपनी पुत्रवधु का पुनर्विवाह कराने के पक्ष में थे।	
घ)	हिन्दी की प्राध्यापिका शीला अग्रवाल के संपर्क में आने के बाद मन्नू भंड़ारी का साहित्य की अच्छी पुस्तकों से परिचय हुआ। शीला अग्रवाल ने मात्र पढ़ने को, चुनाव करके पढ़ने में बदला।	
9. क)	देवता, ब्राहण, भगवान के भक्त और गाय इन सभी पर रघुकुल के व्यक्ति अपनी वीरता का प्रदर्शन नहीं करते हैं।	**2**
ख)	लक्ष्मण ने कहा हमें कुम्हड़े के छोटे पौधे की तरह मत समझिए, जो तर्जनी के दिखाने से मुरझा जाता है। इस प्रकार लक्ष्मण ने अपनी निर्भीकता और वीरता को प्रदर्शित किया।	**2**
ग)	प्रस्तुत काव्यांश में यह शब्द बहुत कमजोर और निर्बल व्यक्तियों के लिए प्रयोग किया गया है।	**1**
10 क)	'आत्मकथ्य' कविता में कवि ने जीवन के यथार्थ और अभाव पक्ष का वर्णन किया है। उसका मन खाली गागर के समान है।	**2x4=8**
ख)	कविता का शीर्षक 'उत्साह' इसलिए रखा गया है क्योंकि बादल वर्षा करके पीडित प्यासे जन की आकांक्षा को पूरा करके उनके जीवन में आशा, उत्साह तथा नई चेतना का संचार करते हैं।	
ग)	शब्दों के भ्रम की तरह नारी जीवन भर वस्त्र और आभूषणों के मोहपाश में बंधी रहती हैं। इसलिए कवि ने वस्त्राभूषणों को 'शाब्दिक भ्रम' कहकर उन्हें नारी जीवन का बंधन माना है।	
घ)	अगर कड़ी टूट गई तो मुख्य गायक का गायन सफलतापूर्वक पूर्ण नहीं हो पाएगा। जब मुख्य गायक अपने सुरों से भटकने लगेगा तो कोई स्थायी को संभालने वाला नहीं होगा।	
11	'कटाओ' को अपनी स्वच्छता और नैसर्गिक सौंदर्य के कारण हिंदुस्तान का स्विट्जरलैंड कहा जाता है। यह सुंदरता आज इसलिए विद्यमान है क्योंकि यहाँ कोई	**4**

	दुकान आदि नहीं है, इस स्थान का व्यवसायीकरण नहीं हुआ है। 'कटाओ' अभी तक पर्यटक स्थल नहीं बना है। प्रकृति अपने पूर्ण वैभव के साथ यहाँ दिखाई देती है। आज के नवयुवक विशेष अभियान चलाकर प्राकृतिक स्थानों को गंदगी-मुक्त करके अपना योगदान दे सकते हैं। वे पर्यटकों तथा अन्य लोगों को प्राकृतिक वातावरण की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अथवा 'माता का अंचल' पाठ में जिस विद्यालय का वर्णन है वहाँ अध्यापक बच्चों की पिटाई करके, उन्हें शारीरिक दंड देकर अनुशासन में रखते थे। आज के विद्यालयों में शारीरिक दंड देना वर्जित है। आजकल विद्यार्थियों को समझा बुझा कर अनुशासन में रखा जाता है। विद्यालय में परामर्शदाता की नियुक्ति की जाती है। परामर्शदाता शैक्षिक मार्गदर्शन देकर छात्रों को आत्म-समायोजन तथा समाजिक समायोजन में सहायता प्रदान करते हैं। आज के विद्यालयों में जो अनुशासन व्यवस्था है वह पुराने तरीके से अधिक अच्छी है।	
	खंड घ **(लेखन)**	**अंक 20**
12		**10**
क)	निबंध लेखन	
	• प्रस्तुति 1 अंक	
	• भाषा शुद्धता 2 अंक	
	• वाक्य-विन्यास 1 अंक	
	• विषयवस्तु(संकेत बिंदुओं के आधार पर) 4 अंक	
	• समग्र प्रभाव 2 अंक	
13	पत्र लेखन प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1+1=2 विषयवस्तु 2 अंक़ भाषा शुद्धता 1 अंक	**5**
14	विज्ञापन लेखन प्रारूप 2 अंक विषयवस्तु 2 अंक़ भाषा 1 अंक	**5**